Demand to fulfil various needs pertaining to rail network in the State of Tripura

SHRI MATILAL SARKAR (Tripura): Sir, the conversion work of metre gauge to broad gauge is a long due task of the Railway authorities in the North-East, where about half the length comprises of metre gauge lines. The entire line to Tripura is of metre gauge. The conversion works in the Lumding-Badarpur sector have been badly affected on account of insurgency in that part of Assam. As the problems of insurgency are not merely law and order problems, the Central Government should come to the help of the concerned State. Conversion work cannot wait. I invite the attention of the Central Government to this acute problem. Secondly, there is a heavy pressure of passengers on the railway line between Agartala and Dharmanagar in Tripura. There is a tremendous demand for starting a train from Agartala to Dharmanagar in the morning and return in the evening. This is the high time to implement this. I would request the Central Government to concede to this genuine demand.

Thirdly, the works of extension of railway lines from Agartala to Sabroom have not yet started. This needs more care and attention.

Fourthly, Agartala and Kolkata may be well connected by rail through Bangladesh. What is needed is a segment of railway line of 13 kilometres from Agartala to the nearest railway station in Bangladesh. The matter should be taken up with Bangladesh at appropriate level. It is needless to say that both the countries will be benefited by this. I urge upon the Central Government to give due importance to the four issues raised above and take suitable steps as matters of priority.

Demand to include people belonging to Rajvanshi community in the list of Scheduled Tribes

श्री तारिक अनवर (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं निम्नलिखित मामले की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं:

राजवंशी समुदाय (जाति) के लोग बिहार राज्य के कटिहार जिले में काफी तादाद में रहते हैं। इनकी भाषा, रहन-सहन, वेष-भूषा और अन्य पारम्परिक रीति-रिवाज पश्चिमी बंगाल राज्य में रहने वाले राजवंशी समुदाय (जाति) के समान ही हैं। पश्चिमी बंगाल राज्य में राजवंशी समुदाय (जाति) को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा मिला हुआ है, जबकि बिहार राज्य में अभी तक राजवंशी समुदाय (जाति) को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा प्राप्त नहीं हुआ है जिसके कारण इस समुदाय के लोग अनुसूचित जनजाति (एसटी) को मिलने वाली सुविधाओं से वंचित हैं।

मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या राजवंशी समुदाय (जाति) को बिहार में अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल किए जाने के लिए बिहार सरकार द्वारा केन्द्र सरकार को कोई पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है? यदि केन्द्र सरकार को बिहार सरकार द्वारा राजवंशी समुदाय (जाति) को बिहार में अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल किए जाने संबंधी कोई अनुशंसा-पत्र प्राप्त हुआ है तो केन्द्र सरकार ने अब तक उस पर क्या कार्यवाही की है अथवा करने पर विचार कर रही है? धन्यवाद।

Need to take effective measures to check the infiltration of Bangladeshis in the country

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़): महोदय, एक रिपोर्ट के अनुसार बंगाल में 80 लाख, असम में 55 लाख, त्रिपुरा में 4 लाख व बिहार में 5 लाख बंगलादेशी घुसपैठिये हैं। इससे जनसंख्या संतुलन अत्यधिक प्रभावित हुआ है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि उत्तर पूर्व में काम कर रहे 20 से अधिक आतंकवादी संगठन प्रशिक्षण व सहायता